origin of the employees are not maintained.

भारतीय इस्पात प्राधिकरण द्वारा संचालित खानें

2944. **श्री गया सिंह:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा संचालित भवनाथपुर चूना-पत्थर (आर०एम०डी०) और यंत्रीकृत खानों में उत्पादन कब आरम्भ हुआ;

(ख) क्या उपरोक्त यंत्रीकृत खानों में उत्पादन पिछले दो सालों से लगभग ठप्प हो गया है और वहां की मशीनों और नियोजित बारह सौ श्रमिकों के पास कोई काम नहीं रह गया है; और

(ग) क्या यंत्रीकृत खानों के अधिकतम प्रयोग हेतु उनके पुनः सकीर्यकरण की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव): (क) भवनाथपुर यंत्रीकृत चूना-पत्थर खान वर्ष, 1979 में चालू की गयी थी।

(ख) यह सच नहीं है कि नियोजित मशीनों और कामगारों के पास कोई काम नहीं है। भवनाथपुर की यंत्रीकृत खान में उत्पादन किया जा रहा है।

(ग) प्रौद्योगिकीय दृश्यलेख में परिवर्तन होने के कारण इस्पात संयंत्र लौह निर्माण तथा इस्पात निर्माण के लिए बेहतर ग्रेड के चूना-पत्थर की मांग कर रहे हैं जिसके कारण भवनाथपुर चूना-पत्थर खान से कम माल उठाया जा रहा है। इस स्थिति में, भविष्य में इस्पात संयंत्रों में भवनाथपुर के चूना-पत्थर के अधिक इस्तेमाल करने के आसार बहुत कम हैं।

बोकारो इस्पात संयंत्र के निकटवर्ती गांवों का विकास

2945. **श्री गया सिंह:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के अधीन बोकारो इस्पात संयंत्र के निकटवर्ती गांवों को विकसित करने हेतु क्या योजनाएं हैं;

(ख) संयंत्र प्रबन्धन द्वारा वहां कानून और व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने हेतु स्थानीय और जिला प्रशासन को स्थायी तौर पर उपलब्ध कराये गये वाहनों की संख्या कितनी है;

(ग) उपरोक्त वाहनों पर प्रतिमाह कितना व्यय किया जाता है; और

(घ) उक्त इस्पात संयंत्र द्वारा बिहार सरकार के पुलिस कर्मियों और अन्य सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को आवंटित विभिन्न श्रेणियों की आवासीय इकाइयों की संख्या कितनी-कितनी है और संयंत्र प्रबन्धन द्वारा इन आवासीय इकाइयों के रख-रखाव पर प्रतिमाह कितनी धनराशि व्यय की जाती है?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव): (क) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के अनुसार, बोकारो इस्पात संयंत्र के आस-पास के गांवों में चार आधारभूत सुविधाएं प्रदान करने की योजना है:—

1. शिक्षा —स्कूल इमारतों का प्रावधान करके।
2. पीने का पानी —रिग बोर हैंड पम्पों, नए कुएं खोदकर तथा पुराने कुओं की मरम्मत करके।
3. यातायात —गांव की सड़कों का विकास कर।
4. स्वास्थ्य केन्द्र —स्वास्थ्य केन्द्र बनवाकर तथा चलते-फिरते (मोबाइल) चिकित्सा कैंपों के जरिए निशुल्क चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करके।

इसके अतिरिक्त, बेरोजगार युवकों तथा उनकी श्रमिक सहकारी समितियों को ठेके तथा कुक्कुट पालन आदि के माध्यम से स्वतः रोजगार प्रदान किया जाता है।

(ख) और (ग) बोकारो के जिला प्रशासन (पुलिस/दंडाधिकारी आदि) को दी गई गाड़ियों की संख्या 69 है तथा उस पर मासिक व्यय 4.90 लाख रुपये से 5.45 लाख रुपये होता है।

(घ) बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा पुलिस तथा बिहार सरकार के अन्य अधिकारियों को आवंटित की गई विभिन्न प्रकार के आवासीय इकाइयों/क्वार्टरों की संख्या तथा इन आवासीय इकाइयों/क्वार्टरों के रख-रखाव पर संयंत्र प्रबन्धन द्वारा प्रतिमाह खर्च की जा रही राशि निम्नानुसार है:—

क्र॰सं॰	अधिकारीगण/विभागों की श्रेणी	क्वार्टरों की संख्या टाइप-वार					मासिक रख-रखाव लागत			
		क	ख	ग	घ	ङ	होस्टल	एल॰ एच॰	कुल	(रुपये)
1.	पुलिस (पुलिस उप महानिरीक्षक/कोल फील्ड्स, पुलिस अधीक्षक/बोकारो स्टील गाईस बी॰एम॰पी॰ IV	2	10	33	88	108	—	9	250	52,083
2.	राज्य सरकार के अधिकारीगण (पुलिस को छोड़कर)	1	28	72	48	142	14	20	325	67,709
	कुल:	3	38	105	136	250	14	29	575	1,19,792

चूना पत्थर का उत्पादन

2946. **श्री गया सिंह:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भिलाई इस्पात संयंत्र के अधीन नन्दनी खानों में पिछले एक वर्ष से चूना-पत्थर का उत्पादन घटाने के क्या कारण हैं और मशीनों के रख-रखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है;

(ख) क्या यह सच है कि भिलाई इस्पात संयंत्र प्रति माह चालीस हजार टन चूना-पत्थर निजी क्षेत्र से अधिक मूल्य पर खरीद रहा है; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव): (क) यह सच नहीं है कि पिछले एक वर्ष से भिलाई इस्पात संयंत्र की नन्दनी खान में चूना-पत्थर का उत्पादन कम हो रहा है। वर्ष 1991-92 में उत्पादन 11,16,500 टन हुआ जबकि 1990-91 में 8,56,400 टन उत्पादन हुआ था। नन्दिनी में उपकरणों के अनुरक्षण को उच्च प्राथमिकता दी जाती है।

(ख) और (ग) कन्वर्टर प्रक्रिया के माध्यम से इस्पात उत्पादन करने की प्रौद्योगिकी में निम्न सिलिका युक्त चूना-पत्थर की आवश्यकता होती है। नन्दिनी खान से उपलब्ध होने वाला चूना पत्थर बहुत उच्च सिलिका युक्त होता है इसलिए यह कन्वर्टरशाला के लिए उपयुक्त नहीं होता है। तदनुसार बाह्य स्रोतों से निम्न सिलिका युक्त चूना पत्थर की खरीद करनी पड़ती है। वर्ष 1991-92 में कन्वर्टर प्रक्रिया के माध्यम से केवल इस्पात निर्माण में इस्तेमाल के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा लगभग 3 लाख टन निम्न सिलिका युक्त चूना पत्थर की खरीद की गयी थी जो औसतन लगभग 25,000 टन प्रतिमाह है।

Steel Production in the Company

2947. SHRI P. UPENDRA : Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether steel production in the country has been stagnating at around 13 to 14 million tonnes, necessitating imports;

(b) whether Government have decided to support the initiative of the private sector in steel making; and